

केरल हिन्दी रीडर

I

केरल सरकार केलिए

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास द्वारा

लिखित

१९५९

केरल हिन्दी रीडर—१

KERALA HINDI READER—I

केरल सरकार केलिए

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास द्वारा लिखित

Price : 60 nP.

1959

इस पुस्तक के बारे में

यह 'केरल हिन्दी रीडर' माला की पहली रीडर है। नये पाठ्यक्रम के अनुसार केरल के सेकन्डरी स्कूलों में हिन्दी सिखाने केलिए दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ने इसे तैयार किया है।

इस पुस्तक के प्रारम्भ में नागरी अक्षर सिखाने केलिए एक पाठ दिया गया है और उसके बाद चित्रों के आधार पर छोटे-छोटे वाक्य भी दिये गये हैं। पाठ मौखिक सिखाये जायँ और साथ ही साथ लिपि सिखाने का भी प्रयत्न किया जाय, यही हमारा उद्देश्य है।

रोज़मर्रा इस्तेमाल में आनेवाले शब्दों का ही इस में प्रयोग किया गया है। इस में शुरू से आखिर तक एक सरल व्याकरण प्रणाली का बड़ी सावधानी से अनुसरण करते हुए वाक्य बनाये गये हैं। आशा है, विद्यार्थियों और अध्यापकों को इस पुस्तक के पढ़ने-पढ़ाने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी।

शिक्षा विभाग,

केरल सरकार

केरल हिन्दी रीडर – १

नागरी वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ ए

ऐ ओ औ

अं अः

व्यञ्जन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	क्ष	त्र

ज्ञ ज़ ड़ फ़

अभ्यास

उ ऊ अ आ ओ औ अं

ज ञ

ट ठ ढ द क्ष

ड ङ इ ई ह क्ष ज्ञ

प ष ण

व ब च

फ क

य थ

ग म भ न

घ ध छ

त ल त्र

र स ख श ए ऐ

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः

ट	टा	टि	टी	टु	टू	टृ	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
र	रा	रि	री	रु	रू		रे	रै	रो	रौ	रं	रः

पढ़ने का अभ्यास

अब	क़लम	लड़कियाँ
अंग	किताब	अध्यापक
आज	गरम	नारायण
कब	शकल	दूकानदार
धन	महल	गुजरात
सच	सड़क	उँगलियाँ
मन	औषध	इमारत
भर	समझ	सोमवार
कहाँ	ज़मीन	मंगलवार
फल	दवात	बुधवार
वहाँ	जगत	गुरुवार
यहाँ	लड़का	शुक्रवार
पेटी	गणेश	शनिवार
पानी	पंडित	इतवार
हाथ	कुरसी	रविवार
वह	सुदामा	फुटबाल

पाठ एक (१)

यह वह क्या है हो।

क़लम मेज़ कुरसी किताब

क़लम



वह क़लम है ।

यह क़लम है ।



कुरसी

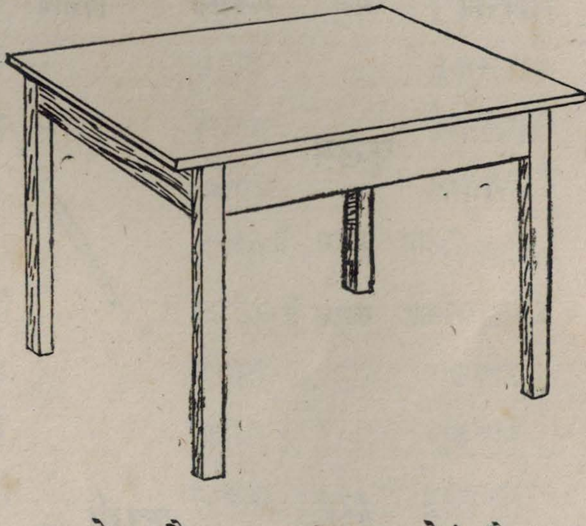
यह कुरसी है ।

वह कुरसी है।



किताब

यह किताब है ।   वह किताब है ।



वह मेज़ है ।   यह मेज़ है ।

यह क्या है ?   यह मेज़ है ।

वह क्या है ?   वह मेज़ है ।

क्या , यह मेज़ है ?

हाँ. यह मेज़ है ।

यह क्या है ? वह किताब है ।

यह क्या है ? यह कुरसी है ।

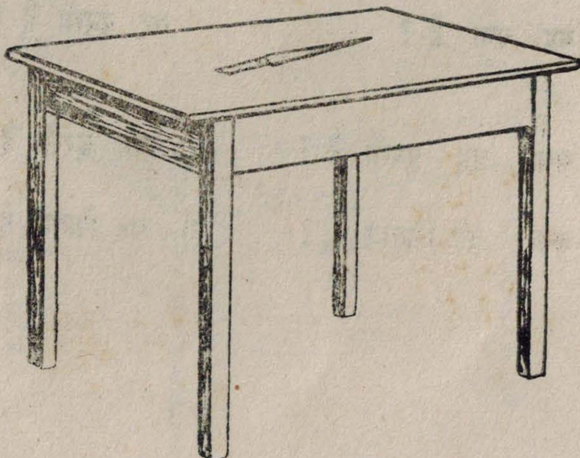
क्या , वह कुरसी है ? हाँ , वह कुरसी है ।

क्या , वह किताब है ? हाँ , वह किताब है ।

पाठ दो (२)

पर और स्याही पेटी पानी

में भी दवात गिलास हैं

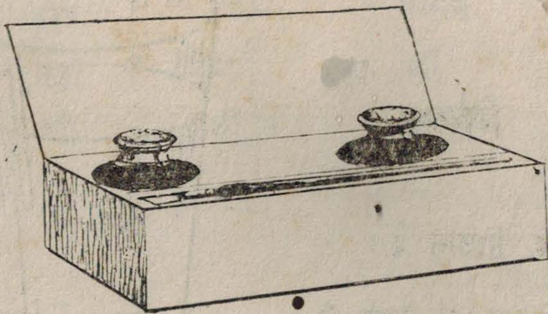


मेज़ पर क़लम है ।

मेज़ पर क्या है ?

मेज़ पर क़लम है ।

पेटी



यह पेटी है ।

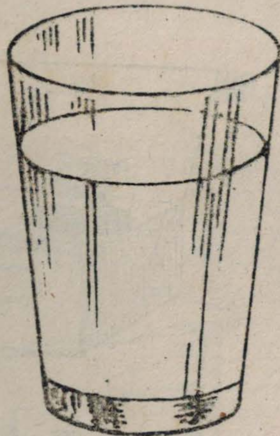
वह क्या है ? वह पेटी है ।

पेटी में क्या है ? पेटी में दवात है ।

पेटी में क़लम भी है ।

पेटी में दवात और क़लम हैं ।

दवात में क्या है ? दवात में स्याही है ।



गिलास

यह गिलास है।

गिलास में पानी है।

गिलास में क्या है ? गिलास में पानी है।

मेज़ पर गिलास और दवात हैं।

पेटी में किताब और क़लम हैं।

पेटी में दवात भी है।

पाठ तीन (३)

हाथ	ज़मीन	कागज़
कहाँ	यहाँ	वहाँ
नहीं	जी हाँ	जी नहीं



हाथ में क़लम है ।

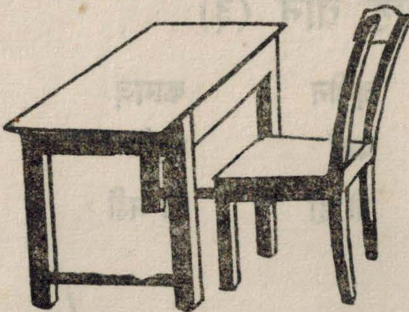
हाथ में क्या है ? हाथ में क़लम है ।



हाथ में किताब है ।

हाथ में क्या है ? हाथ में किताब है ।

61|4684.



वहाँ क्या है ?

वहाँ कुरसी है।

कुरसी कहाँ है ?

कुरसी ज़मीन पर है।

ज़मीन पर मेज़ भी है।

ज़मीन पर क्या है ? ज़मीन पर मेज़ है।

मेज़ कहाँ है ? मेज़ ज़मीन पर है।

यहाँ क्या है ? यहाँ पेटी है।

दवात कहाँ है ? दवात पेटी में है।

कागज़ कहाँ है ? कागज़ मेज़ में है।

क्या, गिलास में पानी है ?

हाँ, गिलास में पानी है।

क्या , दवात में स्याही है ?

जी हाँ, दवात में स्याही है

क्या मेज़ पर किताब है ?

जी नहीं , मेज़ पर किताब नहीं ।

क्या , ज़मीन पर कुरसी है ?

जी नहीं , ज़मीन पर कुरसी नहीं है ।

पाठ चार (४)

वे ये कौन छोटा बड़ा

लड़का लड़की लड़के लड़कियाँ



लड़का

यह लड़का है ।

यह कौन है ?

वह लड़का है ।

वह राम है ।

राम छोटा लड़का है ।

रहीम बड़ा लड़का है ।

लड़की



यह लड़की है।

यह कौन है ?

वह लड़की है।

वह सीता है।

सीता छोटी लड़की है।

लीला बड़ी लड़की है।

एक	१	छः	६
दो	२	सात	७
तीन	३	आठ	८
चार	४	नौ	९
पाँच	५	दस	१०



ये दो लड़के हैं ।

ये कौन हैं ? वे दो लड़के हैं ।

वे छोटे लड़के हैं ।

ये कौन कौन हैं ? वे राम और जोसफ़ हैं ।



ये दो लड़कियाँ हैं ।

ये कौन हैं ?   वे दो लड़कियाँ हैं ।

वे छोटी लड़कियाँ हैं ।

ये कौन कौन हैं ?   वे राधा और रमा हैं ।

पाठ पाँच (५)

मैं	हूँ	तुम	हो
हम	आप	अध्यापक	विद्यार्थी
	अच्छा	बुरा	



मैं गोपाल हूँ ।

तुम कौन हो ?

मैं गोपाल हूँ ।

मैं एक लड़का हूँ ।

मैं एक अच्छा लड़का हूँ ।

मैं बुरा लड़का नहीं हूँ ।

मैं छोटा लड़का हूँ ।

मैं कमला हूँ ।

तुम कौन हो ?

मैं कमला हूँ ।

मैं एक लड़की हूँ ।

मैं एक अच्छी लड़की हूँ ।

मैं बुरी लड़की नहीं हूँ ।

मैं छोटी लड़की हूँ ।





आप कौन हैं ?

मैं अध्यापक हूँ ।

मैं विद्यार्थी नहीं हूँ ।

मैं कौन हूँ ?

आप अध्यापक हैं ।



हम लड़के हैं।

हम विद्यार्थी हैं।

हम अध्यापक नहीं हैं।

हम अच्छे लड़के हैं।

हम बुरे लड़के नहीं हैं।



हम लड़कियाँ हैं ।

हम छोटी लड़कियाँ हैं ।

हम विद्यार्थिनियाँ हैं ।

हम अच्छी लड़कियाँ हैं ।

हम बुरी लड़कियाँ नहीं हैं ।

पाठ छः (६)

आ	जा	ला	तू
उठ	बैठ	पढ़	चल
देख	लिख	बोल	सुन
दौड़	मत	भर	पढ़ा
पहला	दूसरा	तमाशा	घड़ा

तू आ । तू जा । तू ला ।
तू उठ । तू बैठ । तू चल ।
तू देख । तू पढ़ । तू लिख ।
तू बोल । तू सुन । तू दौड़ ।

तू आ । तुम आओ ।
तू यहाँ आ । तुम यहाँ आओ ।

तुम वहाँ मत आओ । तुम पाठ लिखो ।
तुम हिन्दी बोलो । तुम पानी लाओ ।

तुम क़लम मत लाओ । तुम वहाँ चलो ।

तुम दूसरा पाठ पढ़ो । तुम दौड़ो ।

तुम सुनो । तुम घड़े में पानी भरो ।

आप बैठिये ।
आप कुरसी पर बैठिये ।
आप ज़मीन पर मत बैठिये ।
आप आइये ।
आप किताब लाइये ।
आप पाठ लिखिये ।
आप हिन्दी बोलिये ।
आप वहाँ मत जाइये ।
आप तमाशा देखिये ।
आप सुनिये ।
आप स्याही लाइये ।
आप दूसरा पाठ पढ़ाइये ।

पाठ सात (७)

कर	ले	दे	पी	खा
चाय	दूध	फल	गरम	ठंडा
ख़राब	काम	घर	खेल	पढ़

तू काम कर ।
तुम काम करो ।
आप काम कीजिये ।

तू पुस्तक ले ।
तुम पुस्तक लो ।
आप पुस्तक लीजिये ।

तू दूध दे ।
तुम दूध दो ।
आप दूध दीजिये ।

तू पानी पी ।

तुम पानी पिओ ।

आप पानी पीजिये ।

तू ठंडा पानी मत पी ।

तुम गरम पानी पिओ ।

आप चाय पीजिये ।

तुम वहाँ बैठो और पुस्तक पढ़ो ।

आप फल खाइये और दूध पीजिये ।

तुम पानी पिओ और खेलो ।

आप एक गिलास ठंडा पानी लीजिये ।

तुम घर मत जाओ ।

आप वह स्याही मत लीजिये ।

तुम ख़राब फल मत खाओ ।

अभ्यास

तू	तुम	आप
आ	आओ	आइये
जा	जाओ	जाइये
ला	लाओ	लाइये
उठ	उठो	उठिये
बैठ	बैठो	बैठिये
चल	चलो	चलिये
देख	देखो	देखिये
पढ़	पढ़ो	पढ़िये
लिख	लिखो	लिखिये
बोल	बोलो	बोलिये
सुन	सुनो	सुनिये
पढ़ा	पढ़ाओ	पढ़ाइये

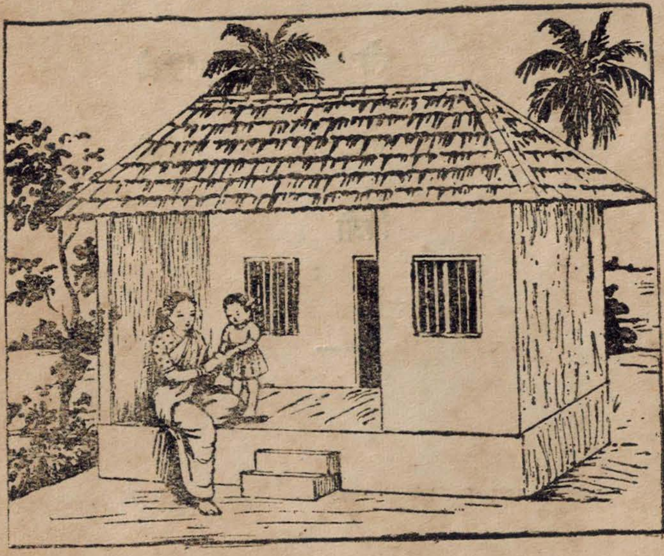
दौड़	दौड़ो	दौड़िये
खा	खाओ	खाइये
खेल	खेलो	खेलिये
कर	करो	कीजिये
ले	लो	लीजिये
दे	दो	दीजिये
पी	पिओ	पीजिये

पाठ आठ (८)

मेरा तेरा हमारा तुम्हारा आपका

माँ बहन भाई बाप

नाम गाँव नया पुराना



यह हमारा घर है ।

तेरा घर कहाँ है ?

मेरा घर आलुवा में है ।

तुम्हारा नाम क्या है ?

मेरा नाम गोमती है।

आप का नाम क्या है ?

मेरा नाम मोहन है ।

तुम्हारा गाँव कहाँ है ?

हमारा गाँव कण्णूर में है।

आप की माँ कहाँ हैं ?

मेरी माँ घर में हैं ।

तुम्हारे बाप कहाँ हैं ?

मेरे बाप मद्रास में हैं ।

विमला मेरी छोटी बहन है ।

मेरी बहन यहाँ नहीं है।

राम का बड़ा भाई कौन है ?

केशव की किताब अच्छी है।

हमारी बड़ी बहन सरोजिनी है ।

मेरी माताजी का नाम मालती है ।

क्या, आपके पिताजी यहाँ नहीं हैं ?

तुम्हारी छोटी बहन का नाम क्या है ?

तेरी माँ कहाँ हैं ?

तेरी बड़ी बहन का नाम क्या है ?

सती तेरी छोटी बहन है ।

क्या, तुम्हारा घर नया है ?

हाँ, मेरा घर नया है, पुराना नहीं है ।

क्या, आप का घर पुराना है ?

हाँ, मेरा घर पुराना है, नया नहीं है ।

तुम्हारा घर कहाँ है ?

मेरा घर एक गाँव में है ।

पाठ नौ (९)

उसका इसका उनका इनका थोड़ा

किसका कितना आदमी बहुत कमरा



मुहम्मद एक अच्छा आदमी है ।

उसका घर मलबार में है ।

उसके बाप का नाम रहीम है ।

रहीम की छोटी बहन रशीदा है ।

रवीन्द्र और सतीश अच्छे लड़के हैं ।

उनका घर तिरूर में है ।

उनके बड़े भाई का नाम शङ्कर है ।

उनकी माँ देवकी है ।

सरोजा अच्छी लड़की है ।

इसका बड़ा भाई बंबई में है ।

इसकी माँ यहाँ नहीं है ।

इनका गाँव कोट्टयम में है ।

यह किसका घर है ?

गीता किसकी बहन है ?

गोपाल किसका भाई है ?

मेरे घर में बहुत आदमी हैं ।

राम और लक्ष्मण भाई-भाई हैं ।

क्या, आपके घर में मेज़ और कुरसी हैं ?

तुम थोड़ा पानी पिओ ।

उनके हाथ में क़लम और दवात हैं ।

गीता और सरोजा बहनें हैं ।

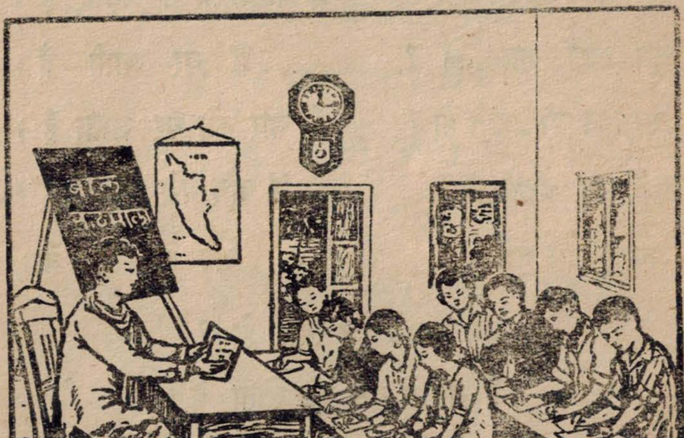
सती के घर में बहुत आदमी हैं ।

तुम्हारे घर में कितने कमरे हैं ?

उसके हाथ में एक अच्छी किताब है ।

पाठ दस (१०)

आज	कल	अब	कब	दर्जा
गीत	घड़ी	दीवार	तस्वीर	खिड़की
बोर्ड	दरवाज़ा	पाठशाला	जान	गा
रात	सो	बजे	छुट्टी	दिन
	क्यों		समझ	



यह दर्जा है ।

यह हमारा दर्जा है ।

मैं हिन्दी पढ़ता हूँ ।

दर्जे में कितने विद्यार्थी हैं ?   दर्जे में बहुत विद्यार्थी हैं।

दीवार पर क्या है ?   दीवार पर घड़ी है ।

दीवार पर तस्वीर भी है।

यहाँ दर्वाजा है।

वहाँ खिड़की है ।

तुम कहाँ पढ़ते हो ?   मैं पाठशाला में पढ़ता हूँ ।

तुम कहाँ जाती हो ?   मैं घर जाती हूँ।

तुम कब घर जाते हो ?   मैं चार बजे घर जाता हूँ ।

तुम कब उठते हो ?   मैं पाँच बजे उठता हूँ।

अब कितने बजे हैं ?   अब दस बजे हैं।

तुम कितने बजे सोते हो ?

मैं रात में दस बजे सोता हूँ।

क्या, तुम अब खेलते हो ?
नहीं, मैं अब नहीं खेलता हूँ ।

तुम कहाँ लिखते हो ?   मैं बोर्ड पर लिखता हूँ।

तुम गीत सुनते हो ?   हाँ, मैं गीत सुनता हूँ।

तुम दिन में क्या करते हो ? मैं दिन में काम करता हूँ ।

तुम कौन किताब पढ़ते हो ? मैं पहली किताब पढ़ता हूँ ।

क्या, तुम दिन में सोते हो ? नहीं, मैं दिन में नहीं सोता ।

क्या, तुम हिन्दी समझते हो ? हाँ, मैं हिन्दी समझता हूँ ।

तुम कितने बजे पाठशाला जाती हो ?

मैं नौ बजे पाठशाला जाती हूँ ।

क्या, तुम हिन्दी जानते हो ?

जी हाँ, मैं हिन्दी जानता हूँ ।

आज छुट्टी का दिन है, तुम क्यों पाठशाला जाते हो ?

पाठ ग्यारह (११)

सीख	सिखा	शहर	सबेरे
शामको	दूकान	चौड़ा	लंबा
साफ़	सबक़	बेंच	जाग
सड़क	कुछ	रो	हँस



वह क्या करता है ?

वह हिन्दी पढ़ता है ।

यह क्या सीखती है ?

यह सबक़ सीखती है ।



वे कहाँ बैठते हैं ?

वे बेंच पर बैठते हैं ।

वे कहाँ लिखते हैं ?

वे बोर्ड पर लिखते हैं ।

ये क्या सीखते हैं ?

ये संस्कृत सीखते हैं ।

आप कितने बजे जागते हैं ?

मैं सबेरे पाँच बजे जागता हूँ ।

तुम शाम को कहाँ जाते हो ?

मैं शाम को शहर जाता हूँ ।

सीता कब पाठ पढ़ती है ?

सीता सबेरे पाठ पढ़ती है ।

कौन बोर्ड पर हिन्दी लिखते हैं ?

अध्यापक बोर्ड पर हिन्दी लिखते हैं ।

आप सबेरे क्या पीते हैं ?

मैं सबेरे चाय पीता हूँ ।

घर में मेरी माँ काम करती हैं ।

तुम कमरा साफ़ करो ।

यह कमरा चौड़ा है ।

हम शामको चार बजे खेलते हैं ।

वह सड़क लंबी है ।

हम दूकान में काम करते हैं ।

तू अब क्या करता है ?

मैं अब काम करता हूँ ।

तू अब क्या खाता है ?

मैं अब कुछ नहीं खाता ।

अध्यापक क्या करते हैं ?

ये हिन्दी सिखाते हैं ।

हम सबेरे उठते हैं और पाठ पढ़ते हैं ।

ये कहाँ जाते हैं ?

ये घर जाते हैं ।

वह अब एक किताब लेता है

वह घर में काम करता है।

तू कब पाठ पढ़ता है ?

तुम कब रोटी खाते हो ?

लड़की एक तस्वीर लाती है।

लड़कियाँ वहाँ खेलती हैं।

हम शाम को खेलती हैं ।

तुम क्या पढ़ती हो ?

यह सड़क लंबी नहीं है।

वहाँ कुछ लड़के हँसते हैं।

यहाँ कुछ लड़कियाँ रोती हैं।

पाठ बारह (१२)

को

तुमको	हमको	आपको
उसको	इसको	किसको
उनको	इनको	तुझको
वह	अंग्रेज़ी	अच्छी तरह

तुमको क्या चाहिए ?

मुझको पानी चाहिए ।

उसको दूध नहीं चाहिए ।

हमको क़लम चाहिए ।

मुझको हिन्दी मालूम है ।

मुझे मलयालम भी मालूम है ।

उसे अंग्रेज़ी मालूम नहीं है ।

क्या, आपको पैसा चाहिए ?

क्या, उनको कागज नहीं चाहिए ?

क्या, इनको तमिल माल्म है ?

हाँ, इनको तमिल माल्म है ।

हमको कुछ नहीं चाहिए ।

तुम किसको हिन्दी सिखाते हो ?

हम तुमको एक किताब देते हैं ।

शहर में कितने आदमी हैं ?

आप कहाँ रहती हैं ?

मैं गाँव में रहती हूँ ।

लड़के कब खेलते हैं ?

लड़कियाँ कब सोती हैं ?

लड़के अच्छी तरह खेलते हैं ।

इनका भी परिचय दिया जाय—

उस को — उसे ।	हम को — हमें ।
इस को — इसे ।	उन को — उन्हें ।
मुझ को — मुझे ।	इन को — इन्हें ।
तुझ को — तुझे ।	तुम को — तुम्हें ।

पाठ तेरह (१३)

किसान	बैल	खेत	बो
हल	जोत	अनाज	धान
मैदान	औरत	पैदा हो	गेहूँ
बीज	गेंद	नहा	फल



यह किसान है ।

किसान ख़ेत में काम करता है ।

वह हल जोत रहा है ।

बैल चल रहे हैं ।

वह बीज बो रहा है ।

खेत में अनाज पैदा होता है ।

हम अनाज खाते हैं ।

गेहूँ और धान खेत में पैदा होते हैं ।



लड़के गेंद खेल रहे हैं ।

यह मैदान लंबा-चौड़ा है ।

छोटे लड़के दौड़ रहे हैं ।

मैं देख रहा हूँ ।

लड़कियाँ भी देख रही हैं ।

61-4684.

तू क्या कर रहा है ?

मैं खेल देख रहा हूँ।

वह क्या कर रही है ?

वह घड़े में पानी भर रही है।

आप के पिताजी क्या कर रहे हैं ?

वे नहा रहे हैं।

तुम क्या कर रहे हो ?

वे क्या सुन रहे हैं ?

कौन बीज बो रहा है ?

एक औरत फल बेच रही है।

दो आदमी जा रहे हैं।

क्या, तुम भी आ रहे हो ?

ये लड़कियाँ क्या देख रही हैं ?

किसान कहाँ हल जोत रहा है ?

मैदान में कौन कौन दौड़ रहे हैं ?

हम तमाशा देख रहे हैं।

पाठ चौदह (१४)

गाय	मीठा	पसंद	सब
लोग	बच्चा	बछड़ा	रोज़
दुह	बना	दही	मट्ठा
घी	पालतू	पाल	से
जानवर	चूहा	तेज़	हाथी



यह गाय की तस्वीर है।

गाय हमको मीठा दूध देती है ।

गाय का दूध सब को पसंद है ।

बच्चे दूध पीते हैं ।

गाय का बछड़ा दूध पीता है ।

गाय रोज़ घास खाती है ।

मेरी माँ दूध दुह रही हैं ।

हम दूध से दही और मट्ठा बनाते हैं ।

दही से मक्खन निकालते हैं ।

मक्खन से घी बनाते हैं

लोग गाय को पालते हैं ।

गाय एक पालतू जानवर है ।

गाय के चार पैर होते हैं ।

गाय के दो सींग भी होते हैं ।

गाय के कान लंबे होते हैं ।

कुत्ता, घोड़ा, हाथी, भस, बकरी, बिल्ली

ये सब पालतू जानवर हैं

यह किसकी तस्वीर है ?

यह बिल्ली की तस्वीर है ।

हम बिल्ली को पालते हैं ।

बिल्ली को दूध पसंद है ।





यह किसकी तस्वीर है ?

यह कुत्ते की तस्वीर है ।

कुत्ता ईमानदार जानवर है ।

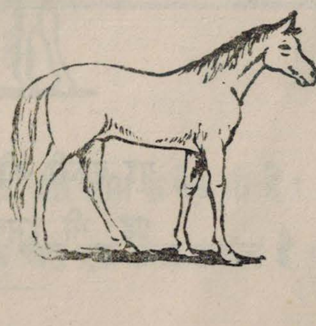
हम कुत्ते को भी पालते हैं ।

यह चित्र किसका है ?

यह घोड़े का चित्र है।

घोड़ा तेज दौड़ता है ।

लोग घोड़े पर सवारीकरते हैं ।





यह किसका चित्र है ?

यह भैंस का चित्र है ।

यह हमको दूध देती है ।

भैंस का भी दूध हम पीते हैं ।



यह बकरी की तस्वीर है ।

यह भी हमको मीठा दूध देती है ।

पाठ पन्द्रह (१५)

पास	साथ	गंदा	आगे	पीछे
बाद	तालाब	कई	दोस्त	कोई
	बाग़	केलिए	बीच में	



यह एक बड़ा बाग़ है।

इसमें बहुत पेड़ हैं।

उन में नारियल, कटहल, और आम के पेड़ भी हैं।

आम के पेड़ के पास एक छोटा तालाब है।

तालाब का पानी साफ़ है ; गंदा नहीं है।

उसमें लोग नहा रहे हैं।

उस तालाब के पास एक छोटा मन्दिर है।

मन्दिर के पीछे एक छोटा गाँव है।

उस गाँव में कई छोटे-बड़े घर हैं।

उनमें बहुत लोग रहते हैं।

लोग रोज़ सबेरे और शाम को दर्शन केलिए मन्दिर जाते हैं।

मेरी बहन माताजी के साथ रोज मन्दिर जाती है।

क्या, तुम्हारे साथ छोटी बहन भी आती है ?

मेरे साथ कोई नहीं आता।

उसके साथ कौन चल रहा है ?

तुम्हारे पास कितने रुपये हैं ?

मैं दोस्त के साथ खेल रहा हूँ।

मन्दिर से आने के बाद तुम क्या करते हो ?

तुम बड़ों के आगे मत चलो ।

उसके पीछे कौन जा रहा है ?

तुम पाठशाला से कब आते हो ?

आप मुझसे हिन्दी में बोलिए ।

मैं कलम से लिखता हूँ ।

तुम यहाँ से कब जाते हो ?

गोपाल मुझ से छोटा है ।

दही से हम क्या निकालते हैं ?

वह खिड़की से क्या देख रही है ?

तालाब के बीच में एक मण्डप है ।

पाठ सोलह (१६)

ख़रीद बेच मिल कह

कभी बुला भूल कपड़ा

बात कहीं सच झूठ

ज़रूर हमेशा

तुम कल कब आओगे ? मैं सबेरे आठ बजे आऊँगा ।

तुम आज क्या पढ़ोगी ? मैं आज हिन्दी पढ़ूँगी ।

कौन मेरे लिए दूध लायगा ?

नौकर आप के लिए दूध लायगा ।

आप मुझ को क्या देंगे ? मैं आप को कपड़ा दूँगा ।

तुम उसको क्या दोगे ? मैं उसको घड़ी दूँगा ।

तुम मेज़ से क्या लोगे ? मैं मेज़ से कुछ नहीं लूँगा ।

आप उसको क्या देंगे ? हम उसको रोटी देंगे ।

कौन नौकर को बुलायगा ?

वह कब यहाँ आएगा ?

सीता कब पुस्तक ख़रीदेगी ?

कौन पुस्तक बेचेगा ?

वे क्या खायेंगे ?

आप किसके साथ मन्दिर चलेंगी ?

हम को कौन पढ़ायेंगे ?

आप कब नहायेंगी ?

ये क्या करेंगे ?

उनको रुपया कब मिलेगा ?

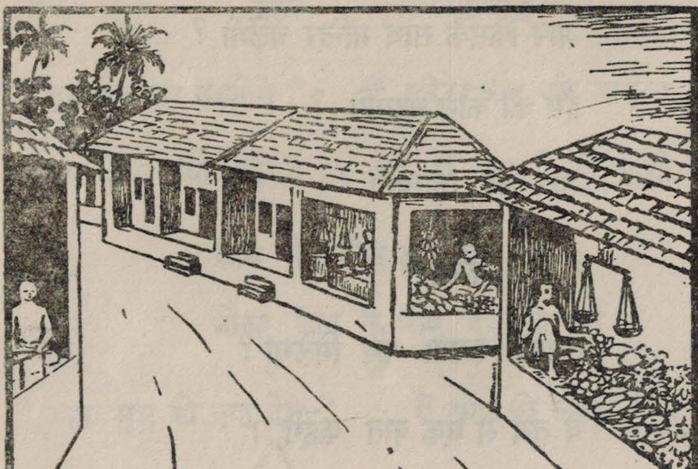
वे तुम से एक बात कहेंगे ।

क्या, तुम चाय पिओगे या काफ़ी ?

ललिता उनको क्या देगी ?

पाठ सत्रह (१७)

तरकारी	केला	चीज़	भिंडी
तेल	बैंगन	आलू	मिर्च
नमक	चावल	शक्कर	टमाटर
नींबू	प्याज़	इमली	दूकानदार



यह बाज़ार है।

इस में कई दूकानें हैं।

दूकानदार कई चीज़ें बेच रहे हैं।

तुम कब बाज़ार जाओगे ?

बाज़ार में कई चीज़ें मिलेंगी ।

क्या, तुम बाज़ार से तरकारी ख़रीदोगे ?

हाँ, मैं ज़रूर खरीदूँगा ।

तुम क्या क्या चीज़ें लोगे ?

हम आलू, भिंडी, बैंगन, और केले लेंगे ।

मैं गोभी, टमाटर, नींबू, और प्याज़ भी लूँगा ।

क्या, तुम चावल, नमक, मिर्च, और इमली नहीं ख़रीदोगे ?

जी नहीं, मैं ये चीज़ें नहीं ख़रीदूँगा ।

तुम दूकानदार से हिन्दी में बोलोगे या मलयालम में ?

मैं मलयालम में बोलूँगा ।

मेरी छोटी बहन बाज़ार से इमली और शक्कर लायगी ।

क्या, बाज़ार में अच्छा तेल मिलेगा ?

नहीं, आजकल अच्छा तेल नहीं मिलता ।

आप बाज़ार से क्या ख़रीदेंगे ?

हम कपड़ा ख़रीदेंगे ; हम खद्दर ख़रीदेंगे ।

क्या, आप रुपया नहीं लायेंगे ?

नहीं, मैं रुपया नहीं लाऊँगा ; मेरे पास रुपया नहीं है ।

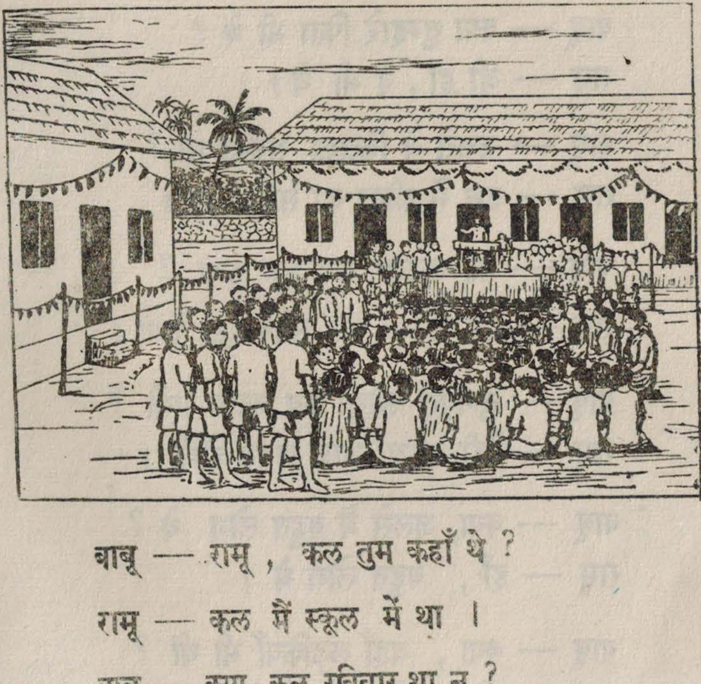
आप बाज़ार से मेरे लिए क्या लायेंगी ?

हम आपके लिए कुछ भाजी लायेंगी ।

ग्यारह	११	सोलह	१६
बारह	१२	सत्रह	१७
तेरह	१३	अठारह	१८
चौदह	१४	उन्नीस	१९
पन्द्रह	१५	बीस	२०

पाठ अठारह (१८)

था	जलसा	संगीत
लेकिन	शुरू हो	खतम हो



बाबू — रामू, कल तुम कहाँ थे ?

रामू — कल मैं स्कूल में था ।

बाबू — क्या, कल रविवार था न ?

रामू — हाँ, कल रविवार था, लेकिन हमारे स्कूल म जलसा था ।

बाबू — कल क्या जलसा था ?
रामू — कल गाँधी-जयन्ती का जलसा था ।

बाबू — क्या, बहन कमला भी वहाँ थी ?
रामू — हाँ, वह भी वहाँ थी ।

बाबू — क्या तुम्हारे पिता भी थे ?
रामू — जी हाँ, वे भी थे ।

बाबू — जलसे में किसका सङ्गीत था ?
रामू — उस में लीला का सङ्गीत था ।

बाबू — वह जलसा कब शुरू हुआ ?
रामू — वह जलसा कल सबेरे शुरू हुआ ।

बाबू — तुम्हारी परीक्षा कब ख़तम होगी ?
रामू — मेरी परीक्षा आज ख़तम होगी ।

बाबू — क्या, जलसे में बहुत लोग थे ?
रामू — हाँ, बहुत लोग थे ।

बाबू — क्या, वहाँ लड़कियाँ भी थीं ?
रामू — हाँ, कई लड़कियाँ भी थीं ।

पाठ उन्नीस (१९)

वापस	परसों
जब–तब	आ–आया
ला–लाया	जा–गया
सो–सोया	बोल–बोला

तुम कब मद्रास से आये ?

मैं आज सबेरे आया ।

आपके पिताजी कल कहाँ गये ?

वे कन्याकुमारी गये ।

क्या, उनके साथ तुम्हारी बहन भी गयी ?

जी हाँ, उनके साथ वह भी गयी ।

तुम मुझ से क्या बोले ?

मैं तुम से कुछ नहीं बोला ।

तुम्हारे साथ कौन कौन आये ?

मेरे साथ कोई नहीं आया ।

आप बाज़ार से क्या लायीं ?

मैं बाज़ार से कपड़े और कुछ तरकारियाँ लायी ।

तुम बंबई से कब वापस आयीं ?

मैं परसों आयी ।

ललिता कब कलकत्ता गयी ?

जब उसका छोटा भाई कलकत्ता गया तब वह भी गयी ।

आप कब मुझ से मिलेंगे ?

जब आप मुझे बुलायेंगे तब मैं आपसे मिलूँगा ।

तुम कब पुस्तक खरीदोगे ?

जब मुझको पैसा मिलेगा तब मैं पुस्तक ख़रीदूँगा ।

पाठ बीस (२०)

(शरीर के अङ्ग)

ओठ	गर्दन	छाती	पेट	पीठ
हड्डी	घुटना	खून	नाखून	बाल

आदमी के शरीर के कई अङ्ग होते हैं।
उसके दो हाथ और दो पैर होते हैं ।
वह हाथों से काम करता है और पैरों से चलता है ।
आदमी के एक नाक, दो आँखें और दो कान होते हैं ।
वह नाक से साँस लेता है और सूँघता है ।
वह आँखों से देखता है और कानों से सुनता है ।
उस के एक मुँह होता है ।
वह मुँह से खाना खाता है ।
मुँह में जीभ और दाँत होते हैं ।
वह जीभ से बोलता है और दाँतों से चबाता है ।
एक हाथ में पाँच उँगलियाँ होती हैं ।
आदमी के सिर पर बाल होते हैं ।

पाठ इक्कीसँ (२१)

रङ्ग फूल सफ़ेद लाल काला पीला
नीला हरा पत्ता भूरा गोरा साँवला



यह गुलाब का फूल है।

इसका रङ्ग लाल है।

सीता की साड़ी सफ़ेद है।
यह कागज़ नीले रङ्ग का है।
क्या, दूकान में पीले रङ्ग की साड़ी मिलती है?
केले के पत्ते हरे होते हैं।
कौआ काला होता है।
कोयल भी काली होती है।
हमारी गाय का रङ्ग भूरा है।
परमशिव का रंग गोरा है।
श्रीकृष्ण का रंग साँवला है।

१. हम भाई-बहनें हैं ।

आस्मान है एक हमारा,
एक नाव पर घर है ।
है एक ही चिराग़ हमारा,
और एक बिस्तर है ।

एक तरह की देह हमारी,
चाहे रंग कई हों ।
रहन-सहन है एक हमारी,
चाहे ढंग कई हों ।

भाव एक है, भाषाओं की,
पोशाकें पहने हैं ।
सिरजनहारा एक हमारा,
हम भाई-बहनें हैं ॥

२. जय मातृभूमि ।

शोभित सुन्दर हिमगिरि शिर पर,
शोभित पावन गंगा उर पर ।
गंगा-यमुना की लहर-लहर,
गाती रहती प्रत्येक पहर ॥

जय पुण्यभूमि! जय दिव्य मातृभूमि!
जय मातृभूमि! जय पितृभूमि!

जन्मे थे यहीं राम, सीता,
गूँजी थीं यहीं मधुर गीता ।
गौतम ने सब का मन जीता, ,
मोहन का भी जीवन बीता ॥

जय अजर भूमि, जय अमर भूमि!
जय मातृभूमि! जय पितृभूमि!

ऊँचे पर्वत, नन्दन कानन,
हरे-हरे सुन्दर वन-उपवन ।
हरियाली में डूबा तृण-तृण,
गाता रहता प्रतिदिन, प्रतिक्षण ॥

जय प्रकृतिभूमि! जय अमृतभूमि!
जय मातृभूमि! जय पितृभूमि!

३. परछाईं ।

मेरे जैसे हाथ पैर हैं,
मेरी जैसी धोती ।
मेरे जैसा कुरता पहने,
मेरी जैसी टोपी ॥ (१)

मैं बैठूँ तो वह भी बैठे,
मैं खेलूँ तो खेले ।
मैं कौवे को ढेला मारूँ,
वह भी ढेला मारे ॥ (२)

लंबा-लंबा साँझ-सबेरे,
छोटा-सा दुपहर को ।
नहीं छोड़ता है यह मुझ को,
सारे दिन पल-भर को ॥ (३)

यह मेरा प्यारा भाई है,
मैं हूँ इसका भाई ।
माँ से पूछा-नाम बताओ,
वह बोली परछाईं ॥ (४)

४. मीठी बोली ।

जब अपना मुँह खोलो तुम,
मीठी बोली बोलो तुम ।
जग में इज़्ज़त पाओगे,
बहुत नेक कहलाओगे ॥ (१)

कोयल मीठा गाती है,
सब का जी ललचाती है ।
तोता सब को भाता है,
मीठा मीठा गाता है ॥ (२)

सच्चा गुण यह जानो तुम,
बात कीमती मानो तुम ।
जब अपना मुँह खोलो तुम,
मीठी बोली बोलो तुम ॥ (३)

---

(25)

PRINTED BY THE S. G. P. AT THE GOVERNMENT PRESS,
TRIVANDRUM, 1959.